भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1219

11 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

इस्पात का निर्यात

1219. कैप्टन बृजेश चौटा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा दक्षिण कन्नड़ में इस्पात उद्योग में कुशल और अकुशल कामगारों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या कर्नाटक विशेषकर दक्षिण कन्नड़ में विशिष्ट रुप से इस्पात उद्योग हेतु किन्हीं कौशल विकास कार्यक्रमों अथवा प्रशिक्षण केन्द्रों की योजना बनाई जा रही है;

(ग) इस्पात और इस्पात उत्पादों के निर्यात हेतु न्यू मंगलौर पत्तन का उपयोग करने और कर्नाटक में इस्पात क्षेत्र हेतु निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान कर्नाटक के पत्तनों के माध्यम से इस्पात निर्यात की मात्रा और उत्पन्न राजस्व का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या बजट 2025-26 के अंतर्गत दक्षिण कन्नड़ जैसे तटीय क्षेत्रों में इस्पात निर्यातकों के लिए कोई प्रोत्साहन राशि दी जा रही है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क) और (ख): मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) देश भर में कुशल तथा अकुशल कामगारों को रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं तथा उन्हे आवश्यकता आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

(ग) से (ड.): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। इस्पात कंपनियां तकनीकी-आर्थिक आधार पर इस्पात के आयात या निर्यात के लिए किसी विशेष पत्तन के उपयोग करने का निर्णय लेती हैं। देश में लौह एवं इस्पात के निर्यात को उदार बनाया गया है और संबंधित वस्तु की कीमतों सहित निर्यात संबंधी निर्णय उद्यमी द्वारा घरेलू मांग और आपूर्ति के आधार पर लिये जाते हैं।

जारी...

विगत तीन वर्षों के दौरान कर्नाटक में पत्तनों से तैयार इस्पात के निर्यात (मात्रा तथा मूल्य) संबंधी आंकड़े निम्नानुसार है:

कर्नाटक में पत्तनों से तैयार इस्पात का निर्यात		
वर्ष	**मात्रा ('000 टन में)**	**मूल्य (करोड़ रु. में)**
2021-22	141.62	1034
2022-23	0.85	23
2023-24	1.13	26
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)		

****